दक्षा प्रशिक्षण मार्गदर्शिका

Hindi Language Level 8-9 MGML Training Module

DEVELOPED BY:
GAYATRI SEVA SANSTHAN (GSS)
INFO@GAYATRISANSTAHN.ORG

मुख्य उद्देश्य और लक्ष्य

प्रस्तुत माँड्यूल में दक्षा को एम जी एम एल में कक्षा का संचालन करने के लिए प्रशिक्षित किया जायेगा ।साथ ही बच्चें गतिविधि आधारित शिक्षण विधियों के माध्यम से सिखने की प्रक्रिया में संलग्न होगें । इन स्तरों को गायत्री सेवा संस्थान के द्वारा विकसित शिक्षा परिक्षण के आधार पर सिखने के परिणामों के अनुसार परिभाषित किया गया हैं। माँड्यूल का लक्ष्य वर्तमान में 6 या 7 स्तर के बच्चों के बीच शिक्षा प्रदान करना और उन्हें 8 या 9 स्तर तक ले जाना हैं। उक्त माँड्यूल बालिका शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत पूर्व में प्रदत लेवलचार्ट, , फील्ड के अनुभवों एवं सखियों की बाड़ी केन्द्र पर अध्ययनरत बालिकाओ के वर्तमान स्तर को ध्यान में रखते हुए लेवल 5 पूर्ण एवं 6 आंशिक पर केन्द्रित होकर बनया गया है । मोड्यूल निर्माण दल का यह विश्वास है की वर्णित गतिविधिया, शिक्षण विधा से निश्चित ही बालिकाए लेवल 6 की पूरी जानकारी के साथ लेवल 7 से भी परिचित होकर रुचिकर शिक्षण प्राप्त करेंगी ।

दक्षा प्रशिक्षण मार्गदर्शिका

आधार :

उक्त मोड्यूल IIFL फाउंडेशन द्वारा पूर्व में प्रदत्त लेवल चार्ट, फील्ड के अनुभवों एवं सखियों की बाड़ी केन्द्र पर अध्ययनरत बालिकाओ के वर्तमान स्तर को ध्यान में रखते हुए लेवल 6 पूर्ण एवं 7 आंशिक पर केन्द्रित होकर बनया गया है । मोड्यूल निर्माण दल का यह विश्वास है की वर्णित गतिविधिया, शिक्षण विधा से निश्चित ही बालिकाए लेवल 6 की पूरी जानकारी के साथ लेवल 7-8 से भी परिचित होकर रुचिकर शिक्षण प्राप्त करेंगी । इस शिक्षण विषयवस्तु में शिक्षा पर कार्य कर रही संस्थानों के विषयों को सम्मलित किया गया हैं ।

शिक्षण अधिगम कैसे :

- प्रश्नोत्तर एवं वार्तालाप - सभी विषयों में इस विधा को अपनाया गया हैं, जिससे शिक्षण अधिगम सरल एवं सुगम हो जाता हैं। वार्तालाप से कक्षा-कक्ष के वातावरण को भयमुक्त एवं सहज बनाए ताकि घर के उन्मुक्त वातावरण से केन्द्र आने वाली बालिकाओ को अपनापन महसूस हो।
- बालगीत एवं कविता - केन्द्र में विषय सामग्री से सम्बन्धित बालगीत एवं कविताए, हाव-भाव सहित सुनाए तथा बालिकाओ से सुनें।
- कहानी-कथन - विषय-वस्तु से सम्बन्धित कहानियों एवं घटनाओं को रोचक ढंग से भावपूर्ण भाषा में प्रस्तुत किया जाए। आवश्यकतानुसार मुखौंटे, कठपुतली, कट आउट्स, आदि का प्रयोग करें।
- खेल - यह बालिकाओ की प्रिय विधा हैं, इसे अवश्य अपनाया जाए। कुछ दक्षताओं का विकास खेलों के माध्यम से किया जाना हैं, शिक्षण से पूर्व खेल का नियोजन करें। इसके अंतर्गत अंत्याक्षरी, शब्द अंत्याक्षरी, चित्र की पूर्ति, शब्द व वाक्य रचना आदि का विषय के अनुरूप समावेश करें।

ध्यान रखने योग्य :

अनुदेशक/दक्षा के लिए यह ध्यान रखना अति आवश्यक है की अब केन्द्र की बालिकाए लेवल 3,4,5,6 एवं 7,8 की जानकारी के साथ आगे बढने जा रही है परन्तु सम्भावना है की सभी बालिकाए एक स्तर पर न हो । लेवल टेस्ट के आधार पर यदि सभी बालिकाओ के अलग-अलग स्तर प्राप्त हुए हो तो यह आवश्यक है की हम आगे आई बालिकाओ के साथ लेवल 5,6,7 पर कार्य करे नहीं तो फिर उनकी रूचि केन्द्र पर आने की नहीं रहेंगी साथ ही पीछे रह गई बालिकाओ को लेवल 4,5 की जानकारी के साथ लेवल 6,7,8 पर लाया जाए नहीं तो वे भी केन्द्र से ड्रॉपआउट हो सकती है। इस परिस्थिति में अनुदेशक गणित विषय में वर्ग-

शिक्षण करवाए। बालिकाओ के छोटे-छोटे समूह बनाकर सुव्यवस्थित एवं प्रभावी शिक्षण कराना वर्ग-शिक्षण कहलाता है।

वर्ग शिक्षण क्यों -

1. बालिकाओ की अधिगम क्षमता भिन्न-भिन्न होना।
2. अनुदेशक की बालिकाओ तक व्यक्तिगत पहुच को सुनिश्चित करना।
4. सभी स्तर की बालिकाओ की सक्रिय भागीदारी बढ़ाना।
5. सीखने की प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास कराना।
6. बालिकाओ में स्वानुशासन एवं नेतृत्व के गुणों का विकास करना।
7. शिक्षण को सुव्यवस्थित, आनन्ददायी एवं प्रभावी बनाकर उपलब्धि को पारंगति के स्तर तक पहुचाना।

वर्ग कैसे बनाए ?

बालिकाओ की संख्या के आधार पर समूह बनाएं जिसके अन्तर्गत प्रत्येक समूह में अधिकतम 8-10 बालिकाए हों । प्रत्येक समूह में सभी आयुवर्ग एवं बौद्विक क्षमता वाली बालिकाए हों । प्रत्येक समूह का एक नायक बनाया जाए जिसे विषयानुसार/दैनिक रूप से बदला जा सकता हैं।

वर्ग शिक्षण कैसे ?

- विषयवस्तु से सम्बन्धित शिक्षण सामग्री तैयार करना तथा इसकी उपलब्धता सुनिश्चित करना। जैसे कटआउट्स, विभिन्न प्रकार के चार्ट / मुखौटे / चित्र आदि।
- विषयवार शिक्षण योजना तैयार करना एवं उसके अनुरूप शिक्षण कार्य किया जाए।

प्रशिक्षण की शुरुआत से पहले :- आप सभी सहभागियों का स्वागत व अभिनन्दन करेगें ! प्रशिक्षण स्तर 7 , 8 के लेने से पहले हमें ध्यान देना होगा की पूर्व के प्रशिक्षणों में सिखाई गई सभी दक्षताओं को ध्यान में रखते हुए इस प्रशिक्षण में नई दक्षताओं को सिखाना है ! अगर हम भाषा की बात करें तो हिंदी विषय में लगभग सभी दक्षताओ का ज्ञान का प्रयोग लगभग साथ -साथ में होता हैं ! सिर्फ हमें हमारे बालिकाओ के स्तर को ध्यान में रखते हुए बालिकाओं ने अभी तक क्या सिख लिया हैं और अब हमें क्या सीखाना ! skb पर समय - समय पर लिए स्तर जाँच से हम यह बता सकते है की बालिकाओं का स्तर क्या हैं !

आप सभी को यह भी पता हैं की पूर्व में लिए प्रशिक्षण के आधार पर IIFL के निर्देशानुसार हर बार प्रक्षिक्षण में एक स्तर की बढ़ोतरी होती रही हैं ! इस तरह की स्थिति में हमारे skb पर विभिन्न स्तर की बालिकाएं हो जायेगी और हमें हर स्तर की बालिकाओं को एक साथ में

अध्यापन कराना थोडा मुश्किल हो जायेगा ! इस तरह की स्थिति में हमें हर स्तर की बालिकाओ को पढाना हैं और हमारे पास एक अध्यापक व कम समय हैं ! इस तरह की स्थिति में हम लोग हर स्तर को ध्यान में रखते हुए CLASSROOM GROUPING PROCESS को अपनाएंगे ! ताकि हर स्तर CRA / MGML Grouping(cooperative Reflective Approach / Multi grade Multi Level शिक्षण व्यवस्था जिसमें अलग - अलग स्तर के समूह बनेगें और हर समूह का एक लीडर होगा ! समूह का लीडर समूह में स्वंम सीखते हुए अपने समूह के दुसरे साथियों को भी सिखायेगा ! इससे पहले हमे यह सोचना होगा की हमारे SKB पर ग्रुप कितने बनायेंगे तथा क्या तरीका अपनाये की हर स्तर की बालिका हर ग्रुप में हो !

आओ हम CLASSROOM GROUPING PROCESS को समझे और अपनाये :----

(1) सत्र 2019-20 में CRA/ MGML Grouping पद्धति से सखियों की बाड़ी पर पढाएंगे !
(2) समूह निर्माण के लिए बालिकाओं के तात्कालिक स्तर लेवल के प्राप्तांक को लेगें !

समुह प्रक्रिया (1 st Step)

- समूह निर्माण में सर्व प्रथम हम बालिकाओं की एक सुची तैयार करेगें !
- सुची बालिकाओं के अंतिम लेवल टेस्ट के प्राप्त अंकों के अनुसार बनेगी ! हिन्दी ,गणित और अंग्रेजी के अंको को जोड़कर प्राप्त कुल अंक सखियों के नाम के सामने लिखेगें !

उदाहरण :-

क्रम संख्या	सखियों के नाम	हिन्दी	गणित	अंग्रेजी	कुल
1	ख़ुशी	12	10	7	29
2	रवीना	13	8	10	31
3	पूजा	9	11	9	29
4	रूपा	15	12	13	40
5	थावरी	11	8	7	26
6	इतरी	20	17	13	50
7	मनीषा	17	22	14	53
8	काली	2	12	10	24

9	सीमा	14	18	0	32
10	मंजू	25	19	0	44
11	सुनीता	19	14	14	47
12	इंद्रा	22	18	16	56
13	सुखिया	14	15	12	41
14	नाथी	17	14	14	45
15	काली / थावरा	7	4	0	11
16	भूरी	16	10	0	26
17	राजू	13	9	0	22

समुह प्रक्रिया (2nd Step)

- यह सुची बनाने के बाद एक और सूची को तैयार करेगें, जो विषय के प्राप्त कुल अंकों को घटते क्रम में रखेंगे !
- नोट :- यह सूचि सभी बालिकाओ की बनेगी !

क्रम संख्या	सखियों के नाम	हिन्दी	गणित	अंग्रेजी	कुल
1	इंद्रा	22	18	16	56
2	मनीषा	17	22	14	53
3	इतरी	20	17	13	50
4	सुनीता	19	14	14	47
5	नाथी	17	14	14	45
6	मंजू	25	19	0	44
7	सुखिया	14	15	12	41
8	रूपा	15	12	13	40
9	सीमा	14	18	0	32
10	रवीना	13	8	10	31

11	**पूजा**	9	11	9	29
12	**ख़ुशी**	12	10	7	29
13	**थावरी**	11	8	7	26
14	**भूरी**	16	10	0	26
15	**काली**	2	12	10	24
16	**राजू**	13	9	0	22
17	**काली / थावरा**	7	4	0	11

समुह प्रक्रिया (3rd Step)

- एक समूह में 7 बालिकाएं होती हैं पर केन्द्र में नामांकन व स्तर के अनुसार समूह निर्माण में कम से कम 4 बालिकाओं व ज्यादा से ज्यादा 7 बालिकाओ को शामिल कर सकते हैं !
- एक SKB पर 30 से 36 बालिकाएं होती है ! उदाहरण के अनुसार 36 बालिकाये है तो 6 समूह बनेगें !

इस तरह से समुह निर्माण किये जायेगें :

क्रम संख्या	सखियों के नाम	हिन्दी	गणित	इंग्लिश	कुल
1	इंद्रा	22	18	16	56
2	मनीषा	17	22	14	53
3	इतरी	20	17	13	50
4	सुनीता	19	14	14	47
5	नाथी	17	14	14	45
6	मंजू	25	19	0	44
7	सुखिया	14	15	12	41
8	रूपा	15	12	13	40
9	सीमा	14	18	0	32
10	रवीना	13	8	10	31
11	पूजा	9	11	9	29
12	ख़ुशी	12	10	7	29
13	थावरी	11	8	7	26
14	भूरी	16	10	0	26
15	काली	2	12	10	24
16	राजू	13	9	0	22
17	काली / थावरा	7	4	0	11

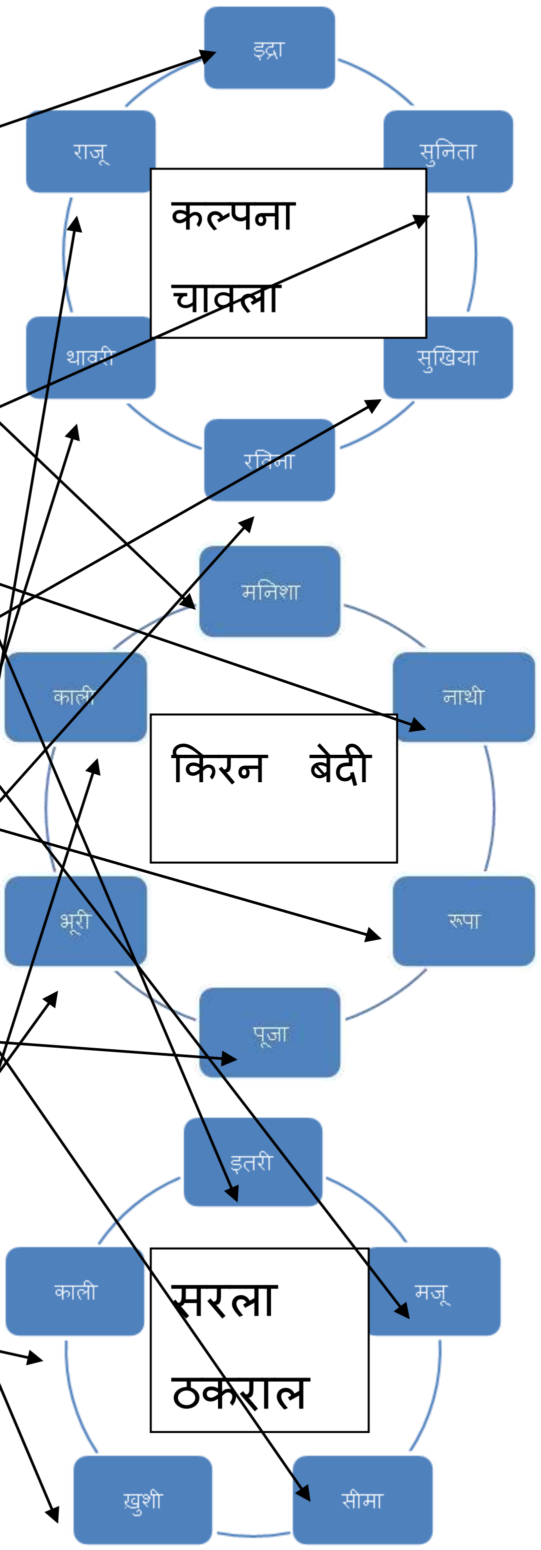

- सबसे पहले स्तर के आधार पर ज्यादा अंक वाली बालिकाओं को हर समुह में रखेगें इसी तरह उनसे कम आये नंबर के आधार पर समुह में बालिकाओं को रखा जायेगा !
- प्रत्येक समूह में ज्यादा नंबर वाली बालिका लीडर होगी ! जो कि पूरे समुह में होशियार हो ! वह इस समुह में लीडर व दक्षा का पढ़ाने में सहयोग करेगी ! इस तरह से समुह में बालिकाए आपस में सीखेगी !
- समूह की लीडर बालिका स्वयं सीखते हुए अपने समूह की दूसरी बालिकाओं को भी सिखाएगी !

SKB का समय नियोजन

क्रम संख्या	विषय	समय	
1.	प्रार्थना सत्र	8:00amसे 8:55am तक	प्रार्थना,समूहगान,दोहे ,सामान्य ज्ञान,छात्र उपस्थिति लेना
2.	मिनि ब्रेक	8:55am से 9:00am तक	आवश्यक कार्य
3.	अंग्रेजी	9:00am से9:55am तक	पाठ-योजना के अनुसार
4.	मिनि ब्रेक	9:55am से10:00 amतक	आवश्यक कार्य
5.	हिन्दी	10:00am से10:55amतक	पाठ-योजना के अनुसार
6.	मिनि ब्रेक	10:55am से11:00amतक	आवश्यक कार्य
7.	गणित	11:00am से11:55amतक	पाठ-योजना के अनुसार
8	पूर्ण अवकाश	11:55amसे 12:00pm तक	TLM व् अन्य सामग्री व्यवसित करना

सखियों की बाड़ी कक्षा संचालन

क्र.सं	विषय	30 minit	25 minit
1.	अंग्रेजी	सामूहिक कक्षा संचालन	समूह में कक्षा संचालन
2	हिन्दी	सामूहिक कक्षा संचालन	समूह में कक्षा संचालन
3.	गणित	सामूहिक कक्षा संचालन	समूह में कक्षा संचालन

हिन्दी विषय पर चर्चा :

सामूहिक कक्षा :---

- दक्षा सभी बालिकाओ को U आकार में बिठाये !
- दक्षा बालिकाओ को कोई भी परिवेश में आने वाली वस्तु या रोचक कहानी का चयन करे ! वह उस रोचक कहानी चर्चा करें !
- कहानी के चित्र / नाम पर चर्चा करें !
- कहानी को धारा प्रवाह पढ़ कर सुनाना !
- कहानी पर बात चित करना : कहानी के विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा करें !
- कहानी के प्रत्येक शब्द पर अंगुली वाचन करना : स्वयंम करें वह बालिकाओं से करवाये !
- मेरे जैसा कौन पढ़ेगा : जिस तरह से आप पढ़ रहे है उसी तरह से बालिकाओं को बोले की वह भी पढ़ कर बताएं !
- कहानी को स्थानीय भाषा में सुनाना : कहानी को अपनी स्थानीय भाषा में सुना कर बताये !
- दक्षा बालिकाओ को अपने मनपसंद के शब्द / अक्षरों पर गोला लगवायें !
- गोले में लगवाये शब्द के अक्षर पर बारहखड़ी वाचन कराना !
- दक्षता / विषय से सबंधित कोई सा भी एक खेल खिलाये !

नोट :- 1. बारहखड़ी चार्ट कुछ पंक्तियों को रोजाना अंगुली रखते हुए स्पष्ट उच्चारण पढ़कर सुनाएँ !

2. वाचन के समय बारहखड़ी की प्रत्येक इकाई पर अंगुली रखें और धीमी गति से पढ़े ! बालिकाएं केवल सुने, देखें पर पीछे -पीछे नहीं दोहराए ! पढने के बाद बालिकाओ से कहें " मेरे जैसा कौन पढ़ेगा ?" कुछ बालिकाओ को पढने का मोका दें !

3. बालिकाओ से सीधा, खड़ा, आड़ा-तिरछा और बीच - बीच में से पढवाना !

4. बालिकाओ को बारहखड़ी की पूरी लाईन पढने में परेशानी हो रही हे तो एक ही व्यंजन में अलग -अलग मात्राएँ लगाकर दिखाएँ !

1. अक्षर / शब्द ढूढो :- दक्षा वर्ण और मात्राओ के फ्लेश कार्ड फर्श पर बिखेर देगें ! सभी बालिकाओं को गोल घेरे में खड़ा करे ! दक्षा स्वयम गोले में घूमकर कोई भी एक वर्ण

उठाये, और चारो तरफ घूमा कर सभी को दिखाए और पूछे देखो मेने क्या उठाया ! बारी बारी सभी को बुलाये ! बिखरे वर्ण से शब्द बनाना, शब्दों से वाक्य बनाना सिखा सकते हैं !

2. जोड़-तोड़ :- दक्षा बालिकाओ के साथ तोड़ो -जोड़ो की गतिविधि इस प्रकार करवाए ! कहानी में लगाये मन पसंद के शब्द पर जैसे - सखियां - स ,खि ,यां ! दक्षा बालिकाओ से पूछे की सखियां शब्द में पहले, दुसरे और तीसरे वर्ण में कौन - कौन सी आवाज है ! पहले वर्ण " स " के जगह " म " लगा दे तो किस प्रकार की आवाज आती है ! मक्खियों जैसे शब्द को लेकर करवाएं ! इसी तरह दुसरे, तीसरे वर्ण की जगह अन्य वर्ण लगाकर देखे आवाज किस प्रकार आती है !

3. अक्षर कूद :- दक्षा फ्लेश कार्ड को जमीन पर बिछा कर बालिकाओ को गोल गेरे में खड़ा करे ! दक्षा कोई अक्षर बोले जिस पर बालिका गोल गेरे में गुम कर पूछे गये अक्षर पर कूद कर अक्षर को उठायें और बोल कर बताये ! इस तरह बारी बारी से सभी बालिकाओ को बुलाये !

4. शब्दों की अन्ताक्षरी :- दक्षा बालिकाओ को समूह में विभाजित करें ! समूह में एक शब्द बोले ! जैसे मटर - 'बोले गये शब्द के अंतिम अक्षर पर दुसरे समूह से " र "से बनने वाले शब्द बताना ! इस तरह बारी-बारी हर समुह बोले गए शब्दों पर अन्ताक्षरी आगे बढती जाएगी !

5.माइंड मेपिंग :- दक्षा बालिकाओ के शब्द भंडार बढ़ाने के लिए माइड मैपिंग गतिविधि करवाए !जैसे दक्षा बोलती है ' बरसात, बादल ,खेत ,पानी आदि ! कोई एक शब्द बोर्ड पर लिखे ...फिर बालिकाओ से उस शब्द से सबंधित और शब्द बोलने को कहें ! दक्षा सारे शब्दों को बोर्ड लिखे !

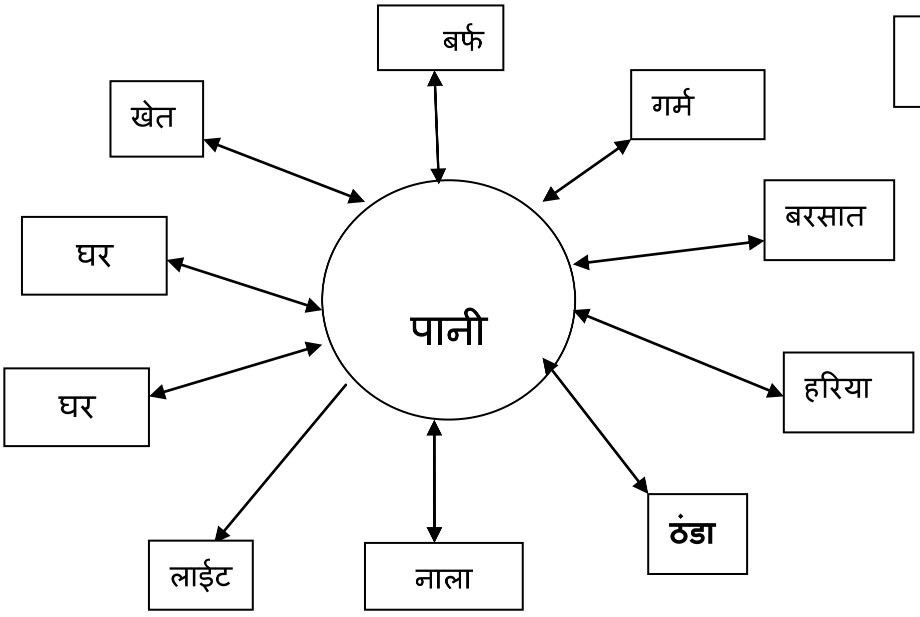

वाक्य बनाओ

ठंडा पानी गर्मी के दिनों में पीना बहुत अच्छा लगता हैं ! पानी बरसात के रूप में धरती पर बरसता है ! पानी से बर्फ बनती है ! किसान फसल को पानी पिलाते है ! घर को बनाने, तराई करने में, सफाई करने में पानी का उपयोग करते है ! पानी से लाईट बनती है ! पानी नालो, नदियों, तालाब में बहता हैं !

अक्षर गीत

ब ..ब...ब ...अरे बाबा ...ब !

ब...से ...बकरी ...और ....!!

ब...से बनता हे... ..बाबा ..!

ब ..ब...ब ...अरे बाबा ...ब !!

च....च ....च ...अरे बाबा च ..!

च ....चरखा ....और ....!!

च ....से बनता ..चाचा ......!

इस प्रकार से दक्षा अलग -अलग अक्षरों के अक्षर गीत करवाए !

लेखन :

कुछ भी बोलो ,कुछ भी लिखो :-दक्षा बालिकाओ से पढ़ी हुयी कहानी या किसी भी विषय पर बोलने , लिखने को कहे ! बालिकाओ द्वारा लिखे गये के बारे में पूछे की यह क्या बनाया ! बालिका ने जो बताया उसे दक्षा खुद लिख कर बताय ! जिन बालिकाओ ने गलत लिखा है !उन्हें बारह खड़ी की मदद से ठीक कर के पुनः लिखने को कहे ! यह गतिविधि बालिकाओ की सोच को बढावा देने में बहुत महत्वपूर्ण हे !

चित्र बनाना :- बालिकाओ को अपने मन से कुछ भी चित्र बनाने के लिए कहें !

अक्षर लेखन :- दक्षा बालिकाओ को कहानी में आये मनपसन्द के शब्दों को बोर्ड पर लिखे ! फिर बालिकाओ को वही अक्षर जमीन/ अभ्यास पुस्तिका /स्लेट पर लिखने को कहे ! दक्षा प्रत्येक बालिकाओ द्वारा लिखे हुए का जाँच करे !

अनुलेखन :- दक्षा बालिकाओ को निर्देशित करे की पढाई गई कहानी को देखकर अपने अभ्यास पुस्तिका में लिखे !दक्षा पढाई गई कहानी को चार्ट/ बोर्ड पर कहानी को लिख दे ! जिससे बालिकाए सरलता से लिख सकें !

पढाई गई कहानी को स्थानीय शब्दों में लिखना :- दक्षा बालिकाओ को उनकी भाषा व सरल शब्दों में बोल कर बतायेगी !

श्रुति लेखन :- लेखन के तहत ही दक्षा बालिकाओ को श्रुत लेखन की गतिविधि इस प्रकार करवाए ! दक्षा कुछ अक्षर या शब्द बोले और सभी बालिकाओ को अभ्यास पुस्तिका या स्लेट को फर्श पर लिखने को कहे ! दक्षा बालिकाओ को पहले ही निर्देशीत करे.. की आप लिखने के बाद अपने हाथों से ढक लेंगे ! और जेसे ही में ताली बजाऊ तटके से अपने हाथों को उपर करले ! फिर दक्षा घूम कर देखे की बोले गये शब्द को किन किन बालिकाओ ने सही से लिखा है ! इसके बाद दक्षा बालिकाओ को बोले की अपने अभ्यास पुस्तिका या स्लेट को पास की बालिकाओ से अदला -बदली करे !और जाँच हेतू निर्देशित करे की सही लिखा हे या गलत ! जिन बालिकाओ ने गलत लिखा हे आपस में सही करने को बोले !

वाक्य लेखन :- दक्षा बालिकाओ को पढाई गई कहानी से अलग -अलग शब्द देकर उस पर वाक्य लिखने को बोले ! जैसे :- पेड़, पहाड़, जंगल, बादल, बरसात, पानी ! मोर, नदी, जीवन, बगीचा, गरमी, धुप, सूर्य, लकड़ी आदि !

पेड़ :- पेड़ हमे ठंडी छाया देते है !

पहाड़ :- पहाड़ देखने बहुत सुंदर लगते है!

जंगल :- जंगल में घूमने पर बहुत आनंद मिलता है !

बादल :-काले बादल से बरसात होती है !

पानी :- पानी से जीवन मिलता है !

नदी :- नदी के पास बहुत सारे पेड़ होते है!

अधूरे वाक्य को पूरा करें :- दक्षा के द्वारा बच्चों को कुछ अधूरे वाक्य बोर्ड पर लिख कर पुरें करवाये जायेगें ।

<u>कविता के माध्यम से वाक्य बनाना :</u> अगली गतिविधि में सभी बालिकाओं को कोई भी एक कविता सुनाएगें । पहले से हर वाक्य के फ्लेश कार्ड तैयार रखेगें। सभी बालिकाओं को कहेगें की फ्लेश कार्ड को जोड़ कर, देखा देखि वाक्य बनाये ।

•सभी कार्ड को जमीन पर बिखेर कर रख देगें फिर बच्चों को उन कार्ड के माध्यम से नये वाक्य बनाने को कहे । जो भी नये वाक्य बनते जायेगें उन्हें बोर्ड पर लिखेगें !

•मेरे जैसा कौन पढ़ेगा !(समूह में शिक्षण कराना)

•मन - पसंद के शब्दों पर गोला लगाना !

•मन -पसंन्द शब्द को बोर्ड पर लिखवाना !

•अनुलेख लिखवाना: सभी बच्चो से अपनी नोट बुक में लिखवाना !

•बोर्ड पर लिखे वाक्यों को बालिकाओं से तेज आवाज में बोलने को कहेगें !

•सभी वाक्यों को बालिकाएं अपनी कॉपी में लिखेगी वह अगले दिन दक्षा के द्वारा चेक किया जायेगा ! दक्षा के लिए कुछ उदाहरण जिससे बच्चों को गतिविधियाँ करवाने में आसानी होगी ।

कहानी :

1. सावन का महीना था ! आसमान में काले काले बादल छाए थे! ठंडी हवा चल रही थी ! मुझे झुला झूलने का मन किया ! बड़े भैया एक मोटी सी रस्सी लेकर आये ! भैया ने रस्सी को पेड़ से लटकाकर झुला बनाया ! सब ने मिलकर झुला झुला !

2. नगमा समझदार लड़की थी ! मगर उसका भाई अमन बहुत नटखट था! एक दिन दोनों बाजार में पकौड़ी देखे ! नगमा ने कहा पकौड़ी तीखी हैं मगर अमन नही माना! पकौड़ी खाकर उसकी आँखों से आँसू निकलने लगे !

3. रामपुर में एक मैदान था वहाँ कोई नहीं खेलता था ! एक दिन कुछ लोग आये सबने मिलकर सोचा कि यहाँ बगीचा बनाया जाए! खाद मंगाकर तरह तरह के पौधे लगाए गए ! आज वहाँ एक सुन्दर बगीचा हैं! अब वहाँ सभी खेलने जाते हैं !

4. दूर एक गाँव था ! वहाँ राजू नाम का लड़का रहता था ! उसकी बहन और भाई भी साथ रहते थे ! उसका भाई स्कूल में पढता था उसकी बहन तेज दौड़ती थी! उसे लंबी दौड़ लगाना अच्छा लगता था! वे तीनों रोज़ मौज मस्ती करते थे